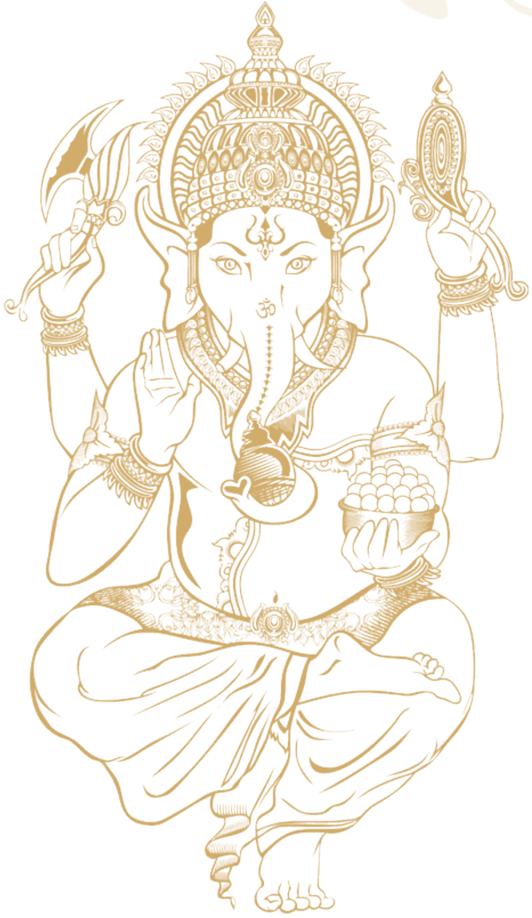

Prachi

08 Sep 2006

09:28 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121336502

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 08/09/2006**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	**: 21:28:00 घंटे**
इष्ट	: 38:33:45 घटी
स्थान	**: Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 21:06:52 घंटे
वेलान्तर	: 00:02:12 घंटे
साम्पातिक काल	: 20:17:10 घंटे
सूर्योदय	: 06:02:29 घंटे
सूर्यास्त	: 18:34:46 घंटे
दिनमान	: 12:32:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 21:54:39 सिंह
लग्न के अंश	: 22:13:46 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**: मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**: उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: शूल
करण	: तैतिल
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: सर्प
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	22:13:46	436:15:32	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			सिंह	21:54:39	00:58:14	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			मीन	04:31:16	15:10:48	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	06:21:45	00:38:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	28:38:13	01:47:56	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
गुरु			तुला	20:37:01	00:09:32	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	09:01:21	01:14:14	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि			कर्क	24:55:50	00:07:09	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु			मीन	01:23:40	00:00:08	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु			कन्या	01:23:40	00:00:08	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	18:40:07	00:02:23	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप	व		मक	23:43:44	00:01:23	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो			धनु	00:07:48	00:00:07	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मक	08:04:54	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:03

लग्न-चलित

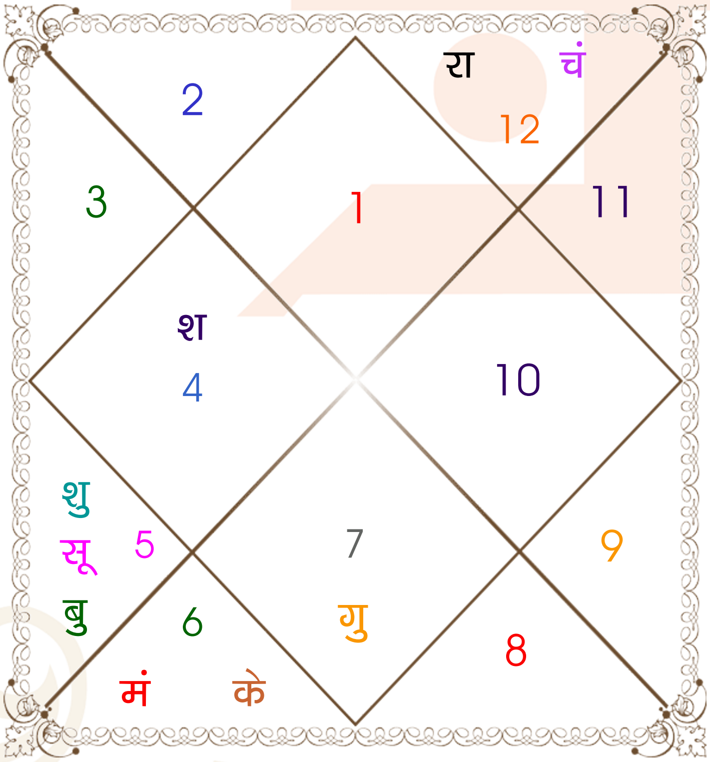

चन्द्र कुंडली

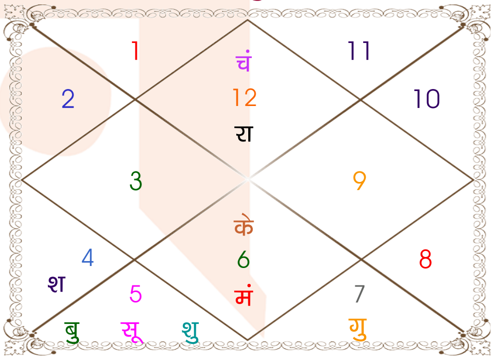

नवमांश कुंडली

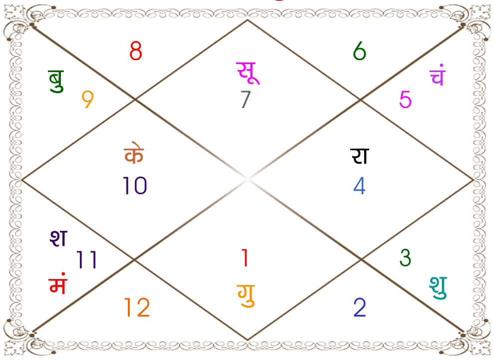

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 3 मास 20 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/09/2006		30/12/2023		29/12/2040		30/12/2047		30/12/2067	
30/12/2023		29/12/2040		30/12/2047		30/12/2067		29/12/2073	
शनि	02/01/2008	बुध	28/05/2026	केतु	27/05/2041	शुक्र	30/04/2051	सूर्य	17/04/2068
बुध	11/09/2010	केतु	25/05/2027	शुक्र	27/07/2042	सूर्य	30/04/2052	चंद्र	17/10/2068
केतु	21/10/2011	शुक्र	25/03/2030	सूर्य	02/12/2042	चंद्र	29/12/2053	मंगल	22/02/2069
शुक्र	21/12/2014	सूर्य	29/01/2031	चंद्र	03/07/2043	मंगल	01/03/2055	राहु	17/01/2070
सूर्य	03/12/2015	चंद्र	30/06/2032	मंगल	29/11/2043	राहु	28/02/2058	गुरु	05/11/2070
चंद्र	03/07/2017	मंगल	27/06/2033	राहु	17/12/2044	गुरु	29/10/2060	शनि	18/10/2071
मंगल	12/08/2018	राहु	14/01/2036	गुरु	23/11/2045	शनि	30/12/2063	बुध	23/08/2072
राहु	18/06/2021	गुरु	21/04/2038	शनि	02/01/2047	बुध	30/10/2066	केतु	29/12/2072
गुरु	30/12/2023	शनि	29/12/2040	बुध	30/12/2047	केतु	30/12/2067	शुक्र	29/12/2073

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
29/12/2073		30/12/2083		30/12/2090		30/12/2108		30/12/2124	
30/12/2083		30/12/2090		30/12/2108		30/12/2124		00/00/0000	
चंद्र	30/10/2074	मंगल	27/05/2084	राहु	11/09/2093	गुरु	17/02/2111	शनि	09/09/2126
मंगल	31/05/2075	राहु	15/06/2085	गुरु	04/02/2096	शनि	31/08/2113		00/00/0000
राहु	29/11/2076	गुरु	21/05/2086	शनि	11/12/2098	बुध	07/12/2115		00/00/0000
गुरु	31/03/2078	शनि	30/06/2087	बुध	01/07/2101	केतु	11/11/2116		00/00/0000
शनि	30/10/2079	बुध	26/06/2088	केतु	19/07/2102	शुक्र	13/07/2119		00/00/0000
बुध	30/03/2081	केतु	23/11/2088	शुक्र	19/07/2105	सूर्य	01/05/2120		00/00/0000
केतु	30/10/2081	शुक्र	23/01/2090	सूर्य	13/06/2106	चंद्र	31/08/2121		00/00/0000
शुक्र	30/06/2083	सूर्य	31/05/2090	चंद्र	13/12/2107	मंगल	07/08/2122		00/00/0000
सूर्य	30/12/2083	चंद्र	30/12/2090	मंगल	30/12/2108	राहु	30/12/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 3 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।